ICFAI UNIVERSITY JHARKHAND

इक्फाई वि० वि० झारखंड व यूजीसी की इनफ्लिबनेट के बीच समझौता ज्ञापन

राँची, 20 नवंबर 2013

प्रबंधन में पीएच डी (अंशकालिक) कार्यक्रम के पाठ्यक्रम कार्य के द्वितीय सत्र का उद्घाटन एक्सएलआर आई के प्रोफेसर डॉ० इराइयूराज जो कि आयूजे के रिसर्च बोर्ड के सदस्य भी हैं, के द्वारा किया गया। 2013 बैच के पीएच डी शोधकर्ताओं को संबोधित करते हुए प्रो० इराइयूराज ने उन्हें अपने शोध क्षेत्र में पूरी तल्लीनता व लगन से कार्य करने की सलाह दी, जिससे की वे गुणवत्तायुक्त अनुसंधान प्रस्तुत कर सकें।

शोधकर्ताओं का स्वागत करते हुए प्रो० ओ आर एस राव ने वि० वि० द्वारा 2012 बैच के तुलना में 2013 बैच के लिए किए गए विभिन्न सुधारों पर प्रकाश डाला। प्रो० राव ने यह भी कहा कि इक्फाई वि० वि० झारखंड ने 'यूजीसी की इनफ्लिबनेट' के साथ समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किया है, जिससे की शोधकर्ता, भारत के विभिन्न वि० वि० से पीएच डी की डिग्री से सम्मानित हो चुके शोधकर्ताओं के अनुसंधान रिपोर्ट का उपयोग कर पायेंगे। इस समझौता के माध्यम से इक्फाई वि० वि० अपने उन शोधकर्ताओं का शोध पत्र इनफ्लिबनेट के साथ साझा कर सकेगा जो कि सफलतापूर्वक पीएचडी डिग्री से सम्मानित होंगे।

डॉ० के के नाग (वरिष्ठ शैक्षणिक सलाहकार, इफयूजे) ने शोधकर्ताओं को अपने अनुसंधान के लिए अपने लक्ष्य में दृढ़ निश्चयी व सतत होने की सलाह दी।

डॉ० बी एम सिंह (कुलसचिव) ने उल्लेख किया कि पीएच डी शोधकर्ता देश के विभिन्न भागों से हैं और वर्तमान में सेल, वोडाफोन, रिलायंस इनर्जी, इंडसइंड बैंक, टाटा डोकोमो आदि जैसे प्रतिष्ठित कंपनियों में वरिष्ठ भूमिकाओं में काम कर रहे हैं।

डॉ० एस सी स्वेन (कार्यक्रम समन्वयक) ने कहा कि शोधकर्ताओं के लिए सत्र, एक्सएलआरआई, झारखंड सेन्ट्रल वि० वि०, आईबीएस, सेल एमटीआई आदि जैसे प्रतिष्ठित संस्थानों के प्रतिष्ठित शिक्षाविदों द्वारा लिया जाता है।

प्रो० एस प्रसाद (एसोसिएट डीन, एफएमएस), प्रो० मदन प्रसाद (एसोसिएट डी, एफ एस टी), संकाय सदस्य, कर्मचारी गण व आमंत्रित मेहमानों ने कार्यक्रम में भाग लिया।